मङ्जन् m. (r. मङ्जू s. म्रन्) medulla. (Germ. vet. marag, anglo-sax. mearg, merg id., v. sq. et r. मङ्जू e मङ्ग्)

मङ्जा f. (r. मङ्जू s. म्रा) id.

1. मञ्जू 1. 4. (धारणे ४. उच्छ्रायधृत्यचीभाःसु ४.; scribitur मच्) tenere, altum esse vel fieri, venerari, splendere.

2. मञ्जू 1. P. (गत्याम्) ire, se movere. G. मङ्क् sq.

मञ्च m. (r. 1. मञ्चू s. म्र) lectus, cubile. Am.

मञ्ज 10. P. (मृजाधनयो: F. मृजाधनयो: P.) abstergere, purificare; sonare. (Cf. मृज्ञ, मृज्जू, मार्ज्ञ, मृज्जू, मार्ज्ञ, मार्ज्ञ, यार्ज्ञ, य

मञ्जरि ं. १. ४१.

मञ्जा f. (r. मञ्जा s. म्रा in fem. cf. suff. म्रला) 1) surculus. Un. 59.14. 2) unio, margarita. (Cf. gr. μάργαρον, μαργαρίτης, lat. margarita; v. radd. मञ्जा, मङ्जा e मङ्गी.) इ

ਮਹਤ੍ਹ Adj. m.f.n. (r. ਸ਼ਹਤ੍ਰ s. ਹ) pulcher, gratus, amoenus. UR. 64.11.

মতরাতা f. corbis, canistrum. Up. 46.

मठ् 1. P. (निवासे κ. वासमद्ते v.) habitare, conterere. मणि m.f. 1) gemma. 2) margarita. (Cf. gr. μάννος, μόνγος, lat. monile.

मणिभद्र m. (e praec. et भद्र) nomen Kuvêri, dei divitiarum. N. 12. 130.

माठ् १. त. (शोको ४. म्राध्याने ४.; scribitur मठ्) lugere, meditari.

1. माउँ 10. म. (मुखे क. मोदे म.; scribitur मड़, gr. 110a).) gaudere, exhilarare. (Cf. मन्दू, मदू, मुदू,

2. माउ 1. म. 10. т. (scribitur मड़, gr. 110^a).) ornare. N. 16.17.: मएडनाईाम् अमिएडताम् . Etiam 10. 1. MAH. 1.7572:: मएडयाञ्चिक्रो तद् वै पुरं स्वर्गवतः (Lat. mundus, mundo.)

मएड m. (r. मएडू s. म्र) ornamentum.

मएडन n. (r. मएड् s. म्रन) id. N. 16. 17.

нцзц т.п. (е нцз et ц) umbraculum. SAK. 45.9. Месн. 76.

माउल m.n. orbis, circuitus. Su. 3. 22. 24. N. 12. 64. 13. 15. — सूर्यमण्डल discus solis. SA. 7.1.

मण्ड्रक m. rana. Am.

माउर m.n. rubigo, ferrugo.

Ha Ablat. pronominis primae personae, qui in initio compositorum thematis vice fungitur, cum significatione Singularis (v. gr. 264. et 679.). H. 2. 33. 3.17.

मत ४ मन्

मतङ्ग m. (ut videtur, pro मतङ्ग, ar. मद्, प. मद्, मद् कल) elephantus. H. 1.13.

Hπ f. (r. Hπ cogitare s. π) 1) animus, mens. N. 11.36. 22.21. in fine compos. BAH. 2) opinio. H. 1.26. N. 19. 32. BH. 18.78. 3) consilium, propositum. SU. 2.12. N. 18.16. In fine comp. BAH. BH. 12.19.18.64. (Gr. μητις; goth. ga-mun-ds, Them. ga-mun-di memoria; lat. mentis, mens.)

मतिमत् (a मति sgf. s. मत्) mente praeditus, sapiens. Dr. 7.16.

मत v मद्र

मत्रस् v. gr. 652. suff. तस्.

मत्सर m. invidia (ut mihi videtur, e pronomine 1. pers. मत् q.v. et सर iens a rad. सृ s. म्र). BH. 4.22. in fine compos. BAH.

मत्स्य m. piscis. M. 5. (Hib. meas «a fish», measach «fishy».) मत्स्यक्त m. (a praec. s. क्) id. M. 35.

मध् 1. P. V. मन्ध्

मधन n. (r. मध s. म्रन) agitatio. R. Schl. I. 45.19.

1. मृद् 4. म. माधामि ebrium esse, mente captum esse, laetari, gaudere. MAH. 1. 4688. et 3. 8331.: 規則起棄 इन्द्रः सोमेन दिल्लामिन दिलातयः — मन ebrius, inebriatus. H. 4.23.: मनाव इव ... वार्णीः Su. 2. 20.: मता भूत्वा कुञ्चरृत्विणीः 4.13.: वरप्रदानमनीः 14.: सर्वेन एतेन मदेन मनाः — Caus. माद्यामि 1) inebriare. RIGV. V. (v. Westerg.): ते त्वा मदा इन्द्र माद्यन्तः 2) exhilarare. MAH. 3. 10678.: त्वां स्तुतया माद्यन्तिः (Cf. मुद्र, मन्द्र, मण्ड्र, angl. mad; fortasse goth. wods furiosus e mods, servata primitiva media;